भारत विश्व गुरू तभी बनेगा, जब हमारी भावनाएं सकारात्मक होंगी

कटनी सम्मेलन में सभी संतों ने एकमत से व्यक्त किए विचार

कटनी-म.प्र.। कटनी ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा संत समागम एवं गृहस्थ जीवन में रहते हुए पवित्र जीवन जीने वाले युगलों के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

संत सम्मेलन में विशेष रूप से संत महामंडलेश्वर कमल किशोर,शिवशक्ति अखाड़ा,सहारनपुर ने कहा कि ब्रह्मा बाबा के बच्चे परमात्मा शिव की संतान हैं। ब्रह्माकुमारीज़ का कार्य परमात्मा का कार्य है। हम तो घरबार छोड़ कर तपस्या करने निकल जाते हैं लेकिन गृहस्थ व्यवहार में रहते हुए, श्वेत कपड़ों में बैठे हुए ये वे सन्त हैं जो घर में रहते आप तपस्वी जीवन जीते हैं जोकि बहुत बड़ी बात है। ज्ञान की बातें यूं ही नहीं मिलती। उसके लिए यह एक ही राजयोग की विधि है और वह सिर्फ ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम में ही सिखाया जाता है। भारत में आये परमात्मा शिव को चुनिन्दा लोगों ने ही अभी तक पहचाना है। प्रेम की ज्योति जब हम प्रज्वलित करते हैं तो वह कई गुना बढ़ जाती है। आनंद की अनुभूति करने के लिए परमात्मा की याद ज़रूरी है। हमें ब्रह्माकुमारी बहनों से जीवन जीना सीखना चाहिए।

सबको यहाँ आना ही है-परमानंद जी

परमानंद जी,सतना ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि एक बार हम ट्रेन में थे तो किसी ने पूछा कि आप कहाँ गये थे? हमने कहा कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में गये थे। उन्होंने कहा कि आप सनातनी हो, वो तो ईसाई हैं। हमने कहा सफेद कपड़े पहनने से कोई ईसाई होता तो सफेद कपड़े पहने हुए ये सारे राजनेता भी ईसाई हो सकते हैं। अगर ब्रह्माकुमारीज़ कहती हैं कि भगवान आया हुआ है तो कोई तो आधार होगा। आप आकर समझो तो सही। साधु-संतों का काम ये ब्रह्माकुमारी बहनें कर रही हैं। नारी को समाज में अबला कहा गया, परमात्मा आकर अबला को सबला बनाते हैं। हमें युगलों की पवित्रता आश्रम तक खींचकर लायी है। परमात्मा की श्रीमत पर ब्रह्माकुमारी बहनें चल रही हैं। कटनी की महापौर श्रीमती प्रीति सूरी ने कहा कि कितनी सौभाग्य की बात है कि यहां इतने संत पधारे हुए हैं। इस अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम अच्छे विचार धारण करें व आत्मा-परमात्मा के मिलन द्वारा वैकुंठ तक पहुंच जाएं। हमारे निराकार गुरू शिव को कोई रोक नहीं सकता। पूर्व विधायक गिरधर पोद्दार ने कहा हमारे ग्रंथों में लिखा है कि यत्र पूज्यन्ते नारी तत्र रमन्ते देवता। ब्रह्माकुमारी आश्रम ने संत सम्मेलन का आयोजन किया यह बहुत हर्ष की बात है। इंदौर ज़ोन के धार्मिक प्रभाग के कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नारायण ने बताया कि ओमशान्ति के मंत्र में समाया है सर्व समस्याओं का समाधान।

स्वर्ग देखना हो तो माउंट आबू जाओ

पुष्पेन्द्र महाराज ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक ऐसा विद्यालय है जहाँ परमात्मा पढ़ाते हैं। परमात्मा का पता जानने के लिए पहले खुद के पते के बारे में जानना होगा। जो कहते हैं परमात्मा नहीं है तो उन पर धिक्कार है। अगर परमात्मा नहीं है तो कैसे चल रहे हैं। अगर आपको स्वर्ग देखना हो तो माउंट आबू चले जाओ। वहाँ साक्षात परमात्मा का वास अनुभव होगा और उसके बारे में आपको यकीन हो जायेगा।

भारत पुनः बनेगा सोने की चिड़िया

ब्र.कु. पुष्पा दीदी,प्रयागराज राजिम ने कहा कि अब दुनिया से अति तमोप्रधानता का समय शीघ्र समाप्त होकर भारत फिर से सोने की चिड़िया बनेगा। कार्यक्रम में गीतांजलि परिषद के शिष्यों ने भक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी,कटनी ने सभी संतों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. राखी,बिलासपुर ने किया। इस मौके पर 50 युगलों का सम्मान किया गया। संत सम्मेलन के पूर्व जीवन में पवित्र रहने वाली युगलों की शोभायात्रा निकाली गई जोकि संत सम्मेलन स्थल पर पहुंचे।

गृहस्थ आश्रम में रहते हुए पवित्र जीवन जीने वाले 50 युगलों का किया गया सम्मान

आध्यात्मिकता लाती जीवन के प्रति एक उच्च दृष्टिकोण : अकेला

व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े 1000 से भी अधिक लोगों ने की शिरकत

गुरूग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में संस्था के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष अतिथि कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की संयुक्त सचिव अनीता शाह अकेला ने कहा कि आध्यात्मिकता का सम्बन्ध किसी धर्म से नहीं बल्कि जीवन के प्रति उच्च दृष्टिकोण से है। एक अच्छा व्यवसाय वही है जिसमें आर्थिक उन्नति के साथ नैतिक मूल्यों का समावेश हो। ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि धन कमाना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन धन कमाने के साथ-साथ दुआएं कमाना बहुत बड़ी बात है। धन कमाने के पीछे विशेष लक्ष्य का होना आवश्यक है। जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य है सबको सुख देना। इसके लिए जीवन में आध्यात्मिकता का होना सबसे महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार शरीर के लिए भोजन ज़रूरी है, ठीक उसी प्रकार आत्मिक चेतना के लिए धर्म, श्रेष्ठ कर्म और आध्यात्मिकता का भोजन आवश्यक है। मॉर्गन स्टेनली इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अध्यक्ष विष्णु बंसल ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में आध्यात्मिक मूल्यों की सबसे अधिक ज़रूरत हैं। आईएफएम ग्रुप के अध्यक्ष एवं संस्थापक इकबाल सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ आध्यात्मिकता की प्रयोगशाला है। यहाँ पर हर व्यक्ति अपने प्रैक्टिकल जीवन से सबको एक दिव्य संदेश दे रहा है। राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,फरीदाबाद ने अपने आशीर्वचन में कहा कि धन का सदुपयोग हम तभी कर सकते हैं, जब आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश हो। ब्र.कु. अंजलि,बहादुरगढ़ ने बताया कि संस्था इस प्रभाग के माध्यम से व्यापार एवं उद्योग क्षेत्र से जुड़े लोगों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाना चाहती है। मुंबई से आये प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. हरीश ने संस्था का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में ब्र.कु. सुरेन्द्र ने सबका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. ख्याति एवं ब्र.कु. दिव्या ने किया। कार्यक्रम में व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े 1000 से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

स्वयं में समाज कल्याण की वृत्ति रखने से ले सकेंगे उचित निर्णय: शुक्ला

मुम्बई-गामदेवी(महा.)। माधवबाग, भुलेश्वर में चल रहे आध्यात्मिक मेले के अंतर्गत ज्यूरिस्ट और टैक्स प्रोफेशनल्स के लिए आयोजित सेमिनार में 'आध्यात्मिकता और नैतिकता के बीच का अनुसरण' विषय पर उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस शैलेन्द्र शुक्ला ने कहा कि एक न्यायाधीश को अपने जीवन में आध्यात्मिकता द्वारा पवित्रता, सच्चाई, सकारात्मकता और समाज के कल्याण की वृत्ति धारण करना आवश्यक है ताकि हमेशा उचित निर्णय लिया जा सके। पूर्व प्रमुख जिला न्यायाधीश आर.आर. गांधी ने कहा कि वे बाल्यकाल से आध्यात्मिकता, ध्यान, नैतिकता एवं मूल्यों के समीप रहे हैं और ब्रह्माकुमारीज़ यही श्रेष्ठ जीवन बनाने के लिए सिखाती हैं। उन्होंने संस्था की बहुत महिमा की और कहा कि विश्व में अभी इस ज्ञान की बहुत आवश्यकता है। सीजीएसटी के पूर्व प्रमुख आयुक्त प्रमोद कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारत की संस्कृति हमेशा आध्यात्मिकता से जुड़ी रही है, आध्यात्मिकता के बिना विश्व में सच्ची सुख, शांति, समृद्धि स्थापन नहीं हो सकती। जैसे व्यक्ति के जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान और योग से सम्बन्ध जुड़ जाता है तो हर व्यक्ति देश के कायदे, कानून को सहजता से अपनाने लगता है। कार्यक्रम के अंत में मेले में लगी प्रदर्शनियाँ भी दिखाई गईं। स्वर्णिम भारत की प्रदर्शनियों को देख सभी हर्षित हो गये।

विश्व शांति की शुरूआत होती आंतरिक शांति से: दवखरे

ठाणे-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ के कलवा(पश्चिम) द्वारा विश्व शान्ति आध्यात्मिक सम्मेलन में 'शान्ति स्पा' स्टॉल में उपस्थित सभी लोगों को गहन शान्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति हुई। दीप प्रज्वलन और ब्र.कु. प्रभा दीदी के स्वागत भाषण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विज्ञान, शिक्षा, अध्यात्म और समाजसेवा में दिए गए योगदान को रेखांकित किया गया। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य निरंजन वसंत दवखरे ने कहा कि सच्ची विश्व शान्ति की शुरुआत आन्तरिक शान्ति से होती है। राजयोगिनी ब्र.कु. लाजवंती दीदी ने कहा कि शान्ति मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। अध्यात्म हमें प्रेम और सद्भावना से जीना सिखाता है। राजयोगिनी ब्र.कु. डॉ. गोदावरी दीदी ने कहा कि धैर्य और सहनशीलता शान्ति का मूल आधार हैं। सिस्टर अपर्णा साल्वी,पूर्व नगरसेविका ने कहा कि परिवर्तन की शुरूआत घर से होनी चाहिए। ब्र.कु. बिंदीया ने गाइडेड मेडिटेशन द्वारा गहन शान्ति की अनुभूति कराई। स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया गया तथा स्मारिका वितरण भी किया। इस मौके पर महाराष्ट्र विधानसभा के विपक्ष उपनेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभा को संबोधित किया और शुभकामना दी। रामचंद्र भिलारे ने भी विचार रखे। अन्त में प्रो. ब्र.कु. अनुज द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd May, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org